हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, बुधवार 24 जून 2026

तापमान
अधिकतम 41.2°c
न्यूनतम 26.8°c

राजकुमार शर्मा ने टेबल टेनिस चैंपियनशिप में जीता रजत... 13

महम में शाहजहां की बावड़ी के टैंक की सफाई... 14

शहर में आज

- लघुसचिवालय में समाधान शिविर सुबह 10 बजे।
- नगर निगम आयुक्त की बैठक सुबह 11 बजे
- बिजली निगम में कर्मचारी यूनियन की मीटिंग

लहरों से जीतने वाली माया, गहराई से हारी

करौंथा की कयाकिंग खिलाड़ी की तालाब में डूबने से मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

गांव करौंथा की 16 वर्षीय होनहार कयाकिंग खिलाड़ी माया धनखड़ के सपने सोमवार को तालाब की गहराई में हमेशा के लिए दफन हो गए। राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुकी माया अब खेल मैदान में नहीं, बल्कि लोगों की यादों में जिंदा रहेगी। जिस बेटी पर परिवार, गांव और खेल जगत को गर्व था, उसकी असमय मौत ने हर किसी की आंखें नम कर दी हैं। जानकारी के अनुसार माया धनखड़ गांव के तालाब में तैराकी करने गई थी। बताया जा रहा है कि तैराकी के दौरान वह अचानक गहरे पानी में चली गई और डूबने लगी। आसपास मौजूद लोगों ने उसे बचाने के लिए तुरंत प्रयास किए, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। लोगों ने उसे पानी से बाहर निकाला, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। घटना की सूचना मिलते ही परिवार के सदस्य और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। बेटी को खोने के गम में परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

- रायपुर से पदक जीतने के सपने लेकर लौटी थी
- नेशनल प्लेयर 4 दिन बाद ही दुनिया को कह गई अलविदा

माया से थीं बड़ी उम्मीदें

माया केवल एक सामान्य छात्रा नहीं थी, बल्कि वह कयाकिंग (वाटर स्पोर्ट्स) की राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी थी। खेल के प्रति उसका जुनून और मेहनत उसे लगातार नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रही थी। हाल ही में वह छत्तीसगढ़ के रायपुर में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर लौटी थी। प्रतियोगिता से लौटे अभी महज चार दिन ही हुए थे और वह आगामी प्रतियोगिताओं की तैयारी में जुटने वाली थी। परिवार और कोच को उससे भविष्य में कई बड़ी उपलब्धियों की उम्मीदें थीं।

उभरते सितारे का यूं बुझ जाना बेहद दुखद

ग्रामीणों का कहना है कि माया बेहद अनुशासित, मेहनती और मिलनसार स्वभाव की लड़की थी। खेलों के साथ-साथ पढ़ाई में भी उसकी रुचि थी। उसकी उपलब्धियों के कारण गांव की अन्य बेटियां भी खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होती थीं। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। खेल प्रेमी, खिलाड़ी और ग्रामीण लगातार परिवार को सांत्वना देने पहुंच रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी लोग माया को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। कई लोगों ने कहा कि एक उभरते हुए सितारे का यूं अचानक बुझ जाना बेहद दुखद है। पुलिस को मामले की सूचना दे दी गई है। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है और घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। वहीं गांव में मंगलवार को माया के अंतिम संस्कार के दौरान बड़ी संख्या में लोग पहुंचे।

खबर संक्षेप

सांख्यिकी विभागध्यक्ष का एक्सट्रा चार्ज प्रो. नसीब सिंह गिल को

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के कुलपति प्रो. मिलाप पूनियाँ ने सांख्यिकी विभाग के अध्यक्ष (हेड) का कार्यभार गणितीय एवं संगणकीय अध्ययन संकाय के अधिष्ठाता (डीन) प्रो. नसीब सिंह गिल को सौंपा है। कुलसचिव प्रो. संदीप बंसल ने बताया कि डीन प्रो. नसीब सिंह गिल को यह दायित्व तत्काल प्रभाव से आगामी आदेशों तक दिया गया है। इसके साथ ही उन्हें विभाग के जन सूचना अधिकारी (पीआईओ) का दायित्व भी सौंपा गया है।

एमडीयू कैंपस स्कूल की निदेशक बनीं प्रो. पूजा

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के कुलपति प्रो. मिलाप पूनियाँ ने माइक्रोबायोलॉजी विभाग की प्रोफेसर डॉ. पूजा सुनेजा को विश्वविद्यालय कैंपस स्कूल के निदेशक का कार्यभार सौंपा है। कुलसचिव प्रो. संदीप बंसल ने बताया कि बतौर यूनिवर्सिटी कैंपस स्कूल प्रो. पूजा सुनेजा की नियुक्ति तत्काल प्रभाव से की गयी है। वह अपनी वर्तमान जिम्मेदारियों के साथ-साथ कैंपस स्कूल के निदेशक पद का दायित्व भी संभालेंगी।

किराये के कमरे का ताला तोड़ 47 हजार रुपये चोरी

रोहतक। पीजीआई थाना क्षेत्र में चोरी का मामला सामने आया है। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में बिहार के लखीसराय निवासी मिट्ठू कुमार ने बताया कि वह पिछले 10 वर्षों से आदर्श नगर निवासी गौरव भयाना के मकान में किराये पर रह रहा है। 12 जून को वह अपने बच्चों के साथ अपने गांव गया था। 22 जून को वापस लौटने पर उसने देखा कि उसके कमरे का ताला टूटा हुआ था और अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर पता चला कि कमरे में रखे 47 हजार रुपये नकद गायब थे। इसके बाद उसने मामले की सूचना पुलिस को दी। शिकायत के आधार पर पीजीआई थाना पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर लिया है।

महिला से 355 ग्राम गांजा बरामद, जेल भेजी

रोहतक। शहर थाना पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक महिला को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 355 ग्राम गांजा बरामद किया है। बरामदगी के आधार पर पुलिस ने महिला के खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस एक्ट) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार महिला की पहचान कैलाशो पत्नी अशोक कुमार निवासी हिसार रोड, गढ़ी मोहल्ला के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने कार्रवाई के दौरान उसके कब्जे से 355 ग्राम नशीला पदार्थ गांजा बरामद किया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी महिला को अदालत में पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेजने के आदेश दिए। पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि गांजा कहां से लाया गया था व आपूर्ति किसे की जानी थी।

प्रशासन कुछ नहीं करेगा खुद ही बुझानी होगी आग

अब डी-पार्क के पास खंभे में लगी आग, दुकानदारों ने 7-8 फायर एक्सटिंग्विशर्स की मदद से टाला बड़ा हादसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

9 जून को डी-पार्क क्षेत्र में लगी भीषण आग की तस्वीरें अभी लोगों के जहन से उतरी भी नहीं थीं कि एक बार फिर उसी इलाके में आग का खतरा मंडराता दिखाई दिया। इस बार आग किसी दुकान या शोरूम में नहीं, बल्कि सड़क किनारे लगे बिजली के पोल में भड़क उठी। गनीमत रही कि आसपास मौजूद दुकानदारों और कर्मचारियों ने समय रहते सूझबूझ दिखाते हुए सात से आठ फायर एक्सटिंग्विशर्स की मदद से आग पर काबू पा लिया, अन्यथा करोड़ों रुपये की संपत्ति राख में तब्दील हो सकती थी।

- घटना रात में होती तो हो सकता था बड़ा नुकसान

घटना डी-पार्क के पास स्थित व्यावसायिक क्षेत्र की है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बिजली के पोल में अचानक चिंगारियां निकलनी शुरू हुईं और कुछ ही देर में आग की लपटें दिखाई देने लगीं। पोल से जुड़े तारों में आग फैलने लगी तो आसपास के शोरूम संचालकों और कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई। क्षेत्र में बड़े-बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठान होने के कारण लोगों को डर था कि यदि आग ने विकराल रूप धारण कर लिया तो पूरा इलाका इसकी चपेट में आ सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि यही घटना रात के समय होती तो नुकसान का अनुमान लगाना भी मुश्किल होता। रात में अधिकांश दुकानें बंद रहती हैं और मौके पर तत्काल मदद मिलना भी कठिन होता है। ऐसे में आग आसपास के शोरूमों तक पहुंच सकती थी और करोड़ों रुपये का नुकसान हो सकता था। लोगों का कहना है कि तब एक बार फिर 9 जून के डी-पार्क अग्निकांड जैसी स्थिति पैदा हो जाती।

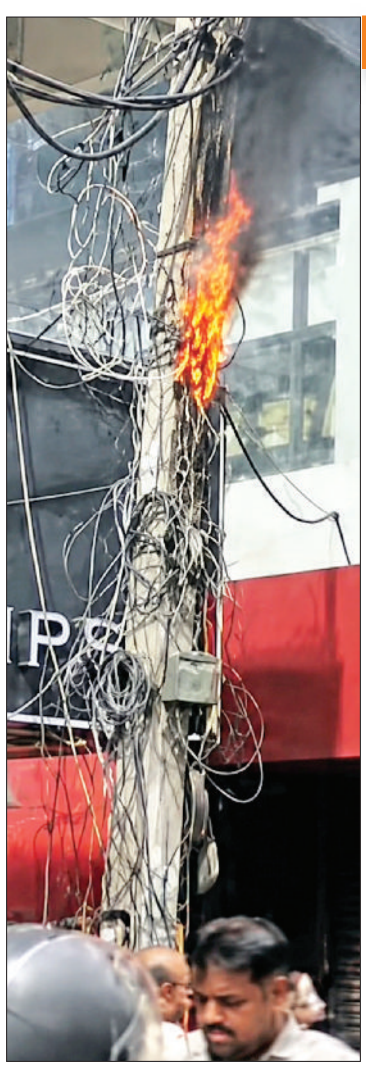

चिंता बढ़ी

- डी-पार्क में बिजली के पोल में आग लगने के बाद बिजली निगम की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल।
- व्यापारियों ने बिजली निगम पर लापरवाही और शिकायतों की अनदेखी करने का आरोप लगाया।
- क्षेत्र में पुराने और जर्जर बिजली तार, खुले जोड़ तथा ओवरलोडिंग की समस्या बनी हुई है।
- स्थानीय लोगों के अनुसार पहले भी स्पार्किंग और आग लगने की घटनाएं हो चुकी हैं।
- समय रहते आग बुझने से बड़ा हादसा और करोड़ों रुपये के नुकसान की आशंका टली।
- घटना के बाद व्यापारियों में सुरक्षा को लेकर चिंता और बढ़ी।
- डी-पार्क शहर का प्रमुख व्यावसायिक केंद्र, जहां प्रतिदिन हजारों लोगों की आवाजाही रहती है।
- व्यापारियों ने पूरे क्षेत्र के बिजली पोलों, ट्रांसफार्मरों और तारों का तकनीकी निरीक्षण कराने की मांग की।
- दोषपूर्ण बिजली ढांचे की तत्काल मरम्मत और सुरक्षा इंतजाम मजबूत करने की मांग उठी।

बिजली कर्मी आए, लेकिन तार नहीं बदला

बिजली निगम को फोन किया था। कर्मचारी आए जरूर, लेकिन तार बदलने की बजाय उन्हें वैसे ही जोड़कर चले गए। स्थायी समाधान नहीं किया गया। -संजय, शोरूम मालिक

इस खंभे पर पहले भी लग चुकी है आग

इस पोल में कई बार आग लग चुकी है। बिजली निगम के कर्मचारी हर बार अस्थायी तौर पर काम कर दिया जाता है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं होता। इससे हमेशा हादसे का डर बना रहता है। -रवि, शोरूम कर्मचारी

...तो बड़े इलाके में फैल सकती थी आग

पोल में लगी आग तेजी से फैल रही थी। यदि आसपास के शोरूम और संस्थानों में अग्निशमन यंत्र नहीं होते होते तो आग बड़े क्षेत्र में फैल सकती थी। समय रहते लोगों की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया। -सुनील कुमार, बैंक कर्मचारी

एक माह में देश में तीन बड़े अग्निकांड

दिल्ली	रोहतक	लखनऊ
3 जून को होटल में आग, 21 की मौत	9 जून को 10 दुकानों में आग, 3 जिंदा जले	22 जून को कोचिंग सेंटर में 15 मरे

मरने की वजह सिर्फ 1 — **भागने का रास्ता नहीं मिला**

हर बाजार में यही समस्या फायर लगने पर नो एग्जिट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

सिटी पल्स

एक माह में देश में तीन जगह हुए भीषण अग्निकांड के बाद फायर सेफ्टी नियमों पर सवाल उठने लगे हैं। लखनऊ में कोचिंग सेंटर में 22 जून को आगजनी से 15 विद्यार्थियों की जान चली गई। इससे पहले 3 जून को दिल्ली के होटल में आग लगने से 21 लोगों की मौत हो चुकी है और 9 जून को रोहतक के डी पार्क अग्निकांड में तीन लोग जान गवां चुके हैं। इन सब घटनाओं को देखने से पता चलता है कि आग के बाद लोगों को भागने का रास्ता नहीं मिला जिसकी वजह से उनकी जान चली गई। रोहतक की बात करें तो यहां ऐसे सैकड़ों बहुमंजिला भवन हैं, जहां आग से बचाव के लिए कोई विकल्प ही नहीं है।

- बहुमंजिला भवनों में आपात कालीन दरवाजे तक नहीं, बाहर सीढ़िया नहीं लगाई गई
- प्रवेश के मार्ग सीमित, दरवाजे तंग, उठ रही कार्रवाई की मांग
- बारूद के ढेर पर बैठे व्यापारी, तंग गलियां और अतिक्रमण है सबसे बड़ी चुनौती।

इन बाजारों में जाने से लगता है अब डर

शहर के रेलवे रोड, गांधी कैंप, डी पार्क, गोहाना अड्डा, शौरी मार्केट, प्रताप चौक, चमेली मार्केट, बड़ा बाजार, बाबरा मोहल्ला और इंदिरा मार्केट जैसे व्यस्त व्यापारिक क्षेत्रों में आग लगने की स्थिति में दमकल वाहनों का पहुंचना बड़ी चुनौती है। इन बाजारों में वर्षों से तंग गलियां, अवैध अतिक्रमण और दुकानों के बाहर रखा सामान राहत एवं बचाव कार्य में बाधा बन सकता है। कई स्थानों पर बिजली के तारों का जाल भी हादसों की आशंका बढ़ा रहा है।

वार्ड छह की पार्षद नीरा भटनागर ने उपायुक्त को पत्र भेजा है जिसमें कहा गया है कि शहर में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं विभिन्न पुस्तकालयों, कोचिंग संस्थानों, स्टडी सेंटरों एवं अन्य शैक्षणिक संस्थानों में प्रतियोगी परीक्षाओं तथा अपने उज्ज्वल भविष्य की तैयारी के लिए प्रतिदिन अध्ययन कर रहे हैं। किसी भी अप्रिय घटना से अनेक परिवारों के सपने टूट सकते हैं तथा राष्ट्र का भविष्य भी प्रभावित हो सकता है।

किसी परिवार ने बिखर जाए, तो ये कदम उठाने जरूरी

- शहर के सभी पुस्तकालयों, कोचिंग संस्थानों, स्टडी सेंटरों एवं अन्य सार्वजनिक शिक्षण स्थलों का विशेष सुरक्षा निरीक्षण कराया जाए।
- प्रत्येक संस्थान में वैध फायर एनओसी एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा प्रमाण-पत्रों की जांच सुनिश्चित की जाए।
- विद्युत वायरिंग, विद्युत पैनल, यूपीएस, जनरेटर एवं अन्य विद्युत उपकरणों का तकनीकी निरीक्षण कराया जाए ताकि शॉर्ट सर्किट एवं अन्य विद्युत दुर्घटनाओं की संभावना समाप्त हो सके।
- प्रत्येक संस्थान में पर्याप्त संख्या में कार्यशील अग्निशामक यंत्र, फायर अलार्म, स्मोक डिटेक्टर एवं आपातकालीन प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध हो।
- आपातकालीन निकास, सीढ़ियां एवं निकासी मार्ग पूरी तरह खुले एवं बाधारहित हों तथा स्पष्ट संकेतक लगाए जाएं।
- समय-समय पर आकस्मिक निरीक्षण एवं सुरक्षा ऑडिट कराए जाएं।
- संस्थानों के कर्मचारियों एवं प्रबंधन को अग्निशमन एवं आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जाए तथा नियमित रूप से मॉक ड्रिल आयोजित की जाए।

फायर सिलेंडर लगवाने होंगे

बाजारों में दुकानदारों को फायर सिलेंडर लगवाने चाहिए। हमने शौरी मार्केट में सौ सिलेंडर की व्यवस्था की है। बिजली निगम को तारों का जाल खत्म करना चाहिए। बाजारों में फायर सेफ्टी उपकरणों की नियमित जांच और आपातकालीन व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए।
-गुलशन ईशपुनियानी, प्रधान, शौरी मार्केट

संकरी गलियां समस्या

पुराने बाजारों की सबसे बड़ी समस्या संकरी गलियां हैं। अतिक्रमण के कारण वाहनों का निकलना मुश्किल हो जाता है। आग लगने पर दमकल वाहनों के लिए मौके तक पहुंचना कठिन हो जाता है। कोचिंग सेंटर की सुरक्षा की जानी चाहिए।
-दीपक पुनियानी, प्रधान किला रोड टेडर्स एसो.

सामूहिक जिम्मेदारी निभानी होगी

जिला में आग से बचाव एवं सुरक्षा से संबंधित सभी नियमों की प्रभावी अनुपालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आगजनी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए सभी संबंधित विभागों, औद्योगिक इकाइयों, बाजारों एवं होटल संचालकों को सामूहिक रूप से जिम्मेदारी निभानी होगी।
-सचिन गुप्ता, उपायुक्त

उम्मीद — सीलिएक रोग के बेहतर इलाज की उम्मीद, एमडीयू के शोध को 25 लाख की मंजूरी

गेहूं की रोटी से होने वाली गंभीर बीमारी पर एमडीयू का फोकस, आसान जांच और नए इलाज की होगी तलाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

रोटी, पराठा और अन्य गेहूं आधारित खाद्य पदार्थ उत्तर भारत के खानपान का अभिन्न हिस्सा हैं। लेकिन इन्हीं खाद्य पदार्थों में मौजूद ग्लूटेन कुछ लोगों के लिए गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन जाता है। सीलिएक रोग नामक ऐसी ही ऑटोइम्यून बीमारी की समय रहते पहचान और बेहतर उपचार की दिशा में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के वैज्ञानिक अब महत्वपूर्ण शोध करने जा रहे हैं।

इस शोध के लिए हरियाणा राज्य विज्ञान, नवाचार एवं प्रौद्योगिकी परिषद ने 25 लाख रुपये का अनुदान स्वीकृत किया है। तीन वर्षों तक चलने वाली इस परियोजना का नेतृत्व सेंटर फॉर मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी की प्रो. अमिता सुनेजा डंग करेंगी। उनके साथ माइक्रोबायोलॉजी विभाग की अध्यक्ष प्रो. पूजा सुनेजा तथा पीजीआईएमएस के गैस्ट्रोलॉजी विभाग के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. प्रवीण मल्होत्रा सह-अन्वेषक के रूप में जुड़े हैं।

उत्तर भारत संवेदनशील

विशेषज्ञों के अनुसार उत्तर भारत को सीलिएक रोग की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है, क्योंकि यहां गेहूं आधारित भोजन का सेवन अपेक्षाकृत अधिक होता है। सीलिएक रोग में ग्लूटेन युक्त भोजन शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को छोटी आंत पर हमला करने के लिए प्रेरित करता है। शुरुआत में यह बीमारी पेट फूलना, दस्त, कमजोरी और लगातार थकान जैसे सामान्य लक्षणों के रूप में सामने आती है। यही कारण है कि बड़ी संख्या में मरीज समय पर इसकी पहचान नहीं कर पाते। यदि बीमारी लंबे समय तक अनदेखी रह जाए तो इसके गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं। हड्डियां कमजोर होने लगती हैं, शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो सकती है, बच्चों की वृद्धि प्रभावित हो सकती है और कई मामलों में अन्य ऑटोइम्यून बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है।

प्रो. अमिता सुनेजा डंग

प्रो. पूजा सुनेजा

डॉ. प्रवीण मल्होत्रा

बिना बायोप्सी के रोग की पहचान होगी संभव!

इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए एमडीयू की शोध टीम ऐसे जैविक संकेतकों (बायोमार्कर्स) की तलाश करेगी, जिनकी मदद से भविष्य में बिना बायोप्सी के रोग की पहचान संभव हो सके। शोधकर्ता प्रोलिडेज एंजाइम की भूमिका का अध्ययन करेंगे तथा पीईपीडी जीन में मौजूद आनुवंशिक बदलावों का विश्लेषण कर यह समझने का प्रयास करेंगे कि किन लोगों में इस बीमारी की आशंका अधिक होती है। इस परियोजना का सबसे रोचक पक्ष लार में मौजूद सूक्ष्मजीवों का अध्ययन है। वैज्ञानिक ऐसे प्राकृतिक बैक्टीरिया की पहचान करने का प्रयास करेंगे जो ग्लूटेन को तोड़ने की क्षमता रखते हैं। यदि यह शोध सफल रहता है तो भविष्य में प्रोबायोटिक आधारित नई सहायक थेरेपी विकसित की जा सकती है, जिससे मरीजों को जीवनभर सख्त ग्लूटेन-मुक्त आहार पर निर्भर रहने की मजबूरी कुछ हद तक कम हो सकेगी।

समय रहते हो सकेगी रोग की पहचान

प्रो. अमिता सुनेजा डंग का कहना है कि वर्तमान में सीलिएक रोग का कोई स्थायी दवा-आधारित उपचार उपलब्ध नहीं है। ऐसे में यह अध्ययन रोग की शुरुआती पहचान के साथ-साथ उपचार की नई संभावनाओं के द्वार भी खोल सकता है। कुलपति प्रो. मिलाप पूनिया ने इस उपलब्धि को विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय बताते हुए कहा कि यह परियोजना केवल अकादमिक शोध नहीं, बल्कि लाखों मरीजों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विश्वास जताया कि शोध के परिणाम भविष्य में सीलिएक रोग के बेहतर निदान और उपचार के लिए मजबूत आधार तैयार करेंगे।

विवाह समारोह में हर्ष फायरिंग युवती समेत तीन रिश्तेदार जख्मी

- सांपला के परशुराम भवन में थी शादी, देसी कट्टे से चली गोली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सांपला

कस्बे के परशुराम भवन में आयोजित एक विवाह समारोह उस समय अफरा-तफरी में बदल गया जब कथित रूप से हर्ष फायरिंग के दौरान चली गोली के छर्रे तीन लोगों को लग गए। घायलों में एक युवती, एक महिला और एक पुरुष शामिल हैं। सभी को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

खेड़ी सांपला निवासी अनिल के पुत्र कमल के विवाह समारोह का आयोजन परशुराम भवन में किया गया था। विवाह कार्यक्रम में परिवार के सदस्य, रिश्तेदार और अन्य मेहमान बड़ी संख्या में मौजूद थे। इसी दौरान समारोह में मौजूद एक युवक ने कथित रूप से देशी कट्टे से फायरिंग कर दी। फायरिंग के दौरान निकले छर्रे पास खड़े लोगों को जा लगे, जिससे समारोह में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। घटना में यशिका, सविता और बलराज घायल हो गए। परिजनों व अन्य लोगों ने तुरंत तीनों को उपचार के लिए कायनोस अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों के अनुसार घायलों की स्थिति फिलहाल स्थिर है और वे खतरे से बाहर हैं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों से पूछताछ कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में हर्ष फायरिंग की बात सामने आई है। पुलिस संबंधित युवक की भूमिका की जांच कर रही है तथा घटना से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। विवाह समारोह में हुई इस घटना के बाद क्षेत्र में हर्ष फायरिंग को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

पावर हाउस के बाहर लगे ट्रांसफार्मरों से हादसे का खतरा, कूड़े के ढेर ने बढ़ाई चिंता

हरिभूमि सरोकार

रोहतक। शहर के पावर हाउस के सामने स्थित तिकोना पार्क के बाहर लगे तीन बड़े बिजली ट्रांसफार्मर स्थानीय लोगों के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं। क्षेत्र में सुरक्षा इंतजामों की कमी और ट्रांसफार्मरों के आसपास जमा होने वाले कूड़े के ढेर के कारण किसी बड़े हादसे की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, ट्रांसफार्मरों के आसपास नियमित रूप से बड़ी मात्रा में कूड़ा डाला जाता है। स्थिति यह है कि पार्क के पास से गुजरना भी मुश्किल हो जाता है। यदि किसी तकनीकी खराबी के कारण ट्रांसफार्मर में स्पार्किंग या विस्फोट जैसी घटना होती है, तो आसपास मौजूद कूड़ा आग को तेजी से फैलाने का कारण बन सकता है।

दस लाइब्रेरी और कोचिंग सेंटर संचालित, लगती हैं रेहड़ियां भी

ट्रांसफार्मरों के आसपास करीब दस लाइब्रेरी और कोचिंग सेंटर संचालित हैं, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में विद्यार्थी आते-जाते हैं। इसके अलावा सड़क किनारे कई रेहड़ी भी लगते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि किसी दुर्घटना की स्थिति में सबसे पहले इन ठेलों और आसपास मौजूद लोगों को नुकसान पहुंच सकता है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन और बिजली विभाग से मांग की है कि ट्रांसफार्मरों के आसपास सुरक्षा घेरा मजबूत किया जाए तथा कूड़ा फेंकने वालों पर कार्रवाई की जाए। लोगों ने कहा कि समय रहते उचित कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

8 एमएम बारिश के बावजूद 41.2 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा रोहतक, उमस ने बढ़ाई लोगों की परेशानी

रोहतक। शहर में मंगलवार को प्री-मानसून गतिविधियों का असर देखने को मिला। शहर में 8 एमएम बारिश दर्ज की गई, जिससे भीषण गर्मी से कुछ राहत मिली। हालांकि इससे पहले अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो पूरे प्रदेश में सबसे अधिक रहा। बारिश के बाद मौसम सुहावना होने के बजाय नमी बढ़ने से उमस का असर और बढ़ गया। सुबह से ही तेज धूप के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। दोपहर बाद अचानक मौसम बदला और आसमान में घने बादल छा गए। इसके बाद शहर के विभिन्न हिस्सों के साथ आसपास के क्षेत्रों में हल्की बारिश और बूंदाबांदी हुई। बारिश के चलते सड़कों पर गर्मी का असर कुछ कम हुआ, लेकिन हवा में नमी बढ़ने से चिपचिपी गर्मी महसूस की गई। आईएमडी चंडीगढ़ के अनुसार यह वर्षा प्री-मानसून सिस्टम का हिस्सा है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी के कारण प्रदेश के कई जिलों में मौसम में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। इसी वजह से कहीं हल्की बारिश तो कहीं तेज हवाएं चलने की घटनाएं सामने आ रही हैं।

इनेलो नेता के बेटे को धमकी मामले में पुलिस के रवैये पर सवाल

स्कॉर्पियों सवार युवकों ने मंदिर के पास आकाश को दी थी धमकी

पुलिस बोली, सबूत है तो बताओ तभी दर्ज की जाएगी शिकायत

एसपी तक पहुंचने की बात कही तो हरकत में आया महकमा

मंदिर गए इनेलो नेता के बेटे को दी धमकी

सोमवार शाम को दी थी धमकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गांव खेड़ीसाध के हनुमान मंदिर के पास इनेलो युवा जिलाध्यक्ष बल्लू प्रधान के बेटे को मिली जान से मारने की धमकी का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। घटना के एक दिन बाद परिवार ने पुलिस के रवैये पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि शुरुआती सूचना देने के बावजूद मामले को गंभीरता से नहीं लिया गया। वहीं मामला उच्च अधिकारियों तक पहुंचने की बात कही तो पुलिस हरकत में आई और जांच के लिए दो दिन का समय मांगा है। सोमवार शाम गांव खेड़ीसाध निवासी इनेलो युवा जिलाध्यक्ष बल्लू प्रधान का 17 वर्षीय बेटा आकाश मंदिर में दर्शन करने गया था। आरोप है कि मंदिर के पास स्कॉर्पियो गाड़ी में आए 5-6 युवकों ने उसे रोक लिया। युवकों ने पहले उसकी पहचान पूछी और फिर कथित तौर पर कहा कि अपने बाप को समझा दे, वह बहुत एडवांस चल रहा है, दो दिन में मार देंगे। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। बता दें कि घटना से घबराया आकाश सीधे घर पहुंचा और परिजनों को पूरी जानकारी दी। इसके बाद बल्लू प्रधान ने तुरंत पुलिस को फोन कर मामले की सूचना दी। उनका आरोप है कि पुलिस ने सबसे पहले उनसे यह पूछा कि क्या धमकी फोन पर मिली है। जब उन्होंने बताया कि धमकी उनके बेटे को सामने आकर दी गई है, तो उनसे सबूत मांगे गए।

शिकायत से पहले सबूत की मांग पर उठे सवाल

बल्लू प्रधान का कहना है कि पुलिस की ओर से कहा गया कि यदि कोई सबूत है तो बताएं, उसके बाद शिकायत दर्ज की जाएगी। उनका आरोप है कि धमकी जैसे गंभीर मामले में तुरंत कार्रवाई करने की बजाय पुलिस सबूतों की बात करती रही। इससे परिवार में असुरक्षा की भावना बढ़ गई। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने मामले को पुलिस अधीक्षक के समक्ष उठाने की बात कही तो उसके बाद थाना प्रभारी और सीआईए टीम गांव पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने परिजनों से बातचीत की और मामले की जांच शुरू करने का आश्वासन दिया।

दो दिन में कार्रवाई का भरोसा

परिजनों के अनुसार पुलिस ने मामले को सुलझाने और आरोपियों तक पहुंचने के लिए दो दिन का समय मांगा है। हालांकि परिवार का कहना है कि जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती, तब तक उनका डर खत्म नहीं होगा। ग्रामीणों का भी मानना है कि यदि खुलेआम इस तरह धमकियां देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो गलत संदेश जाएगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और शिकायत मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की बात कह रही है।

सीसीटीवी फुटेज पर टिकी जांच

घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे अब जांच का अहम आधार बन गए हैं। पुलिस मंदिर और आसपास के क्षेत्रों की फुटेज खंगाल रही है ताकि स्कॉर्पियो और उसमें सवार युवकों की पहचान की जा सके। ग्रामीणों का भी कहना है कि धार्मिक स्थल के पास इस तरह की घटना चिंता का विषय है और आरोपियों की जल्द पहचान होनी चाहिए।

मांगों पर पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन ने सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन ने मंगलवार को अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री हरियाणा के नाम ज्ञापन सौंपा। यूनियन के पदाधिकारियों और कर्मचारियों ने मानसरोवर पार्क में एकत्रित होकर सम्मेलन आयोजित किया और बाद में उपायुक्त कार्यालय पहुंचकर मांग-पत्र सौंपा। उपायुक्त की ओर से मनोनीत तहसीलदार यशपाल शर्मा ने कर्मचारियों से ज्ञापन प्राप्त किया। यूनियन के प्रदेश प्रवक्ता ने बताया कि 8 जुलाई तक पूरे प्रदेश में जिला उपायुक्तों के माध्यम से मुख्यमंत्री को कर्मचारियों की मांगों से संबंधित ज्ञापन भेजे जा रहे हैं। इसी अभियान के तहत रोहतक में भी कर्मचारियों ने अपनी मांगों को सरकार तक पहुंचाने का प्रयास किया है। ज्ञापन में तकनीकी पदों पर 2400 ग्रेड-पे लागू करने, पद परिवर्तन की प्रक्रिया सरल बनाने, शिक्षा एवं साइकिल भत्ता बढ़ाने, नई पेंशन योजना को समाप्त कर पुरानी पेंशन बहाल करने तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को धुलाई और साइकिल भत्ता मासिक आधार पर देने की मांग भी शामिल है। कर्मचारियों ने मृतक आश्रितों को नौकरी देने के नियमों में आयु सीमा संबंधी शर्तों में भी राहत देने की मांग की। यूनियन ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो बड़ा आंदोलन शुरू किया जाएगा। मौके पर जिला प्रधान सज्जन सिंह, जिला सचिव सतदेव शर्मा, राकेश जांगड़ा, दलबीर सैनी, नसीब फौजी, दलेल धनखड़, जयदीप सहरावत, विनोद आदि रहे।

रोहतक। मांगों के लिए तहसीलदार यशपाल शर्मा को ज्ञापन देते हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

लंबित मांगों का शीघ्र करें समाधान

कार्यक्रम में राज्य प्रधान ईश्वर सिंह शर्मा, राज्य महासचिव संदल सिंह राणा, राज्य कोषाध्यक्ष श्रीभगवान अहलावत और राज्य प्रचारक सचिव अनिल मलिक सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। नेताओं ने संयुक्त रूप से कहा कि सरकार द्वारा कच्चे कर्मचारियों को नियमित करने के लिए पारित नीति को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए और कर्मचारियों की लंबित मांगों का शीघ्र समाधान किया जाए। यूनियन नेताओं ने कहा कि हरियाणा कौशल रोजगार निगम, टर्म अपॉइंटी तथा अन्य स्रोतों के तहत कार्यरत कर्मचारियों को नौकरी की सुरक्षा और समान कार्य के लिए समान वेतन दिया जाना चाहिए।

रोहतक। आयोजित नेत्र जांच शिविर में आंखों की जांच करते डॉक्टर। फोटो : हरिभूमि

बाबा बालकपुरी धर्मार्थ में लगाया नेत्र जांच शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सदगुरुदेव स्वामी बालकपुरी महाराज की कृपा से बाबा बालकपुरी धर्मार्थ औषधालय के 12 वर्ष पूर्ण होने पर पुरिधाम के पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी कर्णपुरी महाराज के पावन सानिध्य में विशाल नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 168 रोगियों की नेत्र जांच कर निःशुल्क दवाई व चश्मे वितरित किए गए। आज के इस कार्यक्रम में पावन आशीर्वाद हेतु जूना अखाड़े के अंतर्राष्ट्रीय सचिव महंत कमलपुरी महाराज उपस्थित हुए। आज के इन निःशुल्क नेत्र जांच शिविर की मुख्य अतिथि रोहतक शहर की सीएमओ डॉ कमला वर्मा रही। उन्होंने शिविर के शुभारंभ के साथ साथ डिपेंसरी का दौरा कर डिस्पेंसरी द्वारा आम जनमानस को न्यूनतम मूल्य पर उपलब्ध करवाई जा रही सेवाओं के बारे में जानकारी ली और श्रीमहाराज के सानिध्य में चल रहे इन कार्यों की भूरी भूरी प्रशंसा भी की। इस अवसर पर डॉ सुमन पहल, डॉ दीपक, डिस्पेंसरी के मैनेजर लालापुरी, अशोक कपूर, राजू ढल, राजू आहूजा, रम्मी, कार्तिकपुरी, शांतपुरी, सिमरणपुरी, प्रसन्नपुरी, सोनिया, खुशी मौजूद रहे।

हरियाणा महिला एवं बाल विकास चेयरपर्सन का खेड़ी साध में स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

- दांगी के नेतृत्व में विभाग नई उच्चाईयों को करेगा प्राप्त : ढाका

नगर निगम क्षेत्र के अपने पैतृक गांव खेड़ी साध पहुंचने पर हरियाणा महिला एवं बाल विकास निगम की नवनियुक्त चेयरपर्सन सुनीता दांगी का ग्रामीणों द्वारा गर्मजोशी एवं उत्साह के साथ भव्य स्वागत किया गया। गांव में पहुंचने पर ग्रामीणों ने पुष्पगुच्छ एवं फूल-मालाएं पहनाकर उनका अभिनंदन किया तथा उनके उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष एडवोकेट रणवीर सिंह ढाका, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय बंसल, प्रदेश सचिव रेणु डाबला, पूर्व विधायक सरिता नारायण, सांपला मार्केट कमेटी के चेयरमैन उदयभान मलिक, ज्योत्सना रोहिल्ला, उर्मिला, सरोज हुड्डा, मंडल उपाध्यक्ष महताब खेड़ी सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। एडवोकेट रणवीर ढाका ने कहा कि इस पद पर सुनीता दांगी की नियुक्ति महिलाओं और बच्चों के कल्याण के क्षेत्र में सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उनके नेतृत्व में महिला एवं बाल विकास निगम नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। सुनीता दांगी ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण भाव से निर्वहन करेंगी तथा महिलाओं और बच्चों के सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य करेंगी।

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम में मौजूद हरियाणा महिला एवं बाल विकास निगम की नवनियुक्त चेयरपर्सन सुनीता दांगी। फोटो : हरिभूमि

जय हनुमान

रोहतक। शहर में हनुमान भक्तों ने मंगलवार रात को बजरंग भवन से खरावड़ स्थित हनुमान मंदिर तक शोभा यात्रा निकाली। इस दौरान भव्य झांकी का प्रदर्शन किया गया और अनेक भक्त डीजे और ढोल की थाप पर नाचते गाते और उछलते हुए प्रभु हनुमान का गुणगान करते हुए खरावड़ स्थित हनुमान मंदिर पहुंचे। यहीं पर इस यात्रा का समापन हुआ।

एमडीयू में विश्व ओलंपिक दिवस पर हुई साइकिल राइड व जॉग रन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

- प्रतिभागियों को सक्रिय जीवनशैली व पर्यावरण अनुकूल परिवहन पर किया प्रेरित

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस 2026 का आयोजन लेट्स मूव – बेटर हेल्थ के लिए साथ चलें थीम के साथ साइकिल राइड व जॉग रन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 6:30 बजे शारीरिक शिक्षा विभाग से हुआ। एमडीयू के कुलसचिव प्रो संदीप बंसल ने मुख्य अतिथि के रूप में साइकिल राइड और जॉग रन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने नियमित शारीरिक गतिविधियों, स्वस्थ जीवनशैली तथा ओलंपिक मूल्यों- उत्कृष्टता, मित्रता और सम्मान के महत्व पर प्रकाश डाला। शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष प्रो. भगत सिंह राठी के नेतृत्व में आयोजित यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। साइकिल राइड और जॉग रन विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरे, जिसके माध्यम से फिटनेस, स्वास्थ्य जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता का संदेश दिया गया। प्रतिभागियों को सक्रिय जीवनशैली अपनाने तथा पर्यावरण अनुकूल परिवहन के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया।

योजना चालू वित्त वर्ष में रूफटॉप सोलर लगाने का 50 प्रतिशत लक्ष्य पूरा

जिले में 11,500 लाभार्थियों को जोड़ने का लक्ष्य, 5700 परिवारों ने उठा चुके लाभ

पीएम सूर्य घर योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्र परिवारों तक पहुंचाएं: उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

उपायुक्त सचिन गुप्ता ने उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के अधिकारियों को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत अधिक से अधिक पात्र परिवारों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि जिले में चालू वित्त वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा पूरा किया जा चुका है, लेकिन शेष लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रयासों को और तेज करने की आवश्यकता है। उन्होंने अधिकारियों से लोगों को सोलर रूफटॉप लगाने के लिए जागरूक और प्रेरित करने का आह्वान किया। मंगलवार को कैंप कार्यालय में आयोजित निगम की मासिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त ने बताया कि जिले में इस वित्त वर्ष के दौरान करीब 11,500 लाभार्थियों को योजना से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अब तक 5,700 से अधिक परिवार इस योजना का लाभ उठा चुके हैं।

रोहतक। कैंप कार्यालय में आयोजित उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम की मासिक समीक्षा बैठक लेते उपायुक्त सचिन गुप्ता। *फोटो : हरिभूमि*

आवेदन के बाद लाभार्थियों के खाते में जमा होती है सब्सिडी

सचिन गुप्ता ने कहा कि योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक भारतीय नागरिक होना चाहिए, उसके पास वैध बिजली कनेक्शन और सोलर पैनल लगाने योग्य छत होनी चाहिए। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन है। स्वीकृति के बाद अधिकृत विक्रेताओं के माध्यम से सोलर प्लांट स्थापित करवाया जा सकता है और निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने पर सब्सिडी राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में जमा कर दी जाती है। बैठक में निगम के अधीक्षक अभियंता बिजेंद्र नरवाल ने योजना की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर कार्यकारी अभियंता रामेंद्र मलिक, सीमा नारा, अनिल नागर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

दो किलोवॉट पर मिल रही 50 हजार की सब्सिडी

डीसी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा फरवरी 2024 में शुरू की गई यह योजना स्वच्छ, सस्ती और टिकाऊ ऊर्जा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। योजना के तहत घरों की छतों पर रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने के लिए केंद्र सरकार 30 हजार रुपये से लेकर 78 हजार रुपये तक की सब्सिडी प्रदान कर रही है। इसके अलावा हरियाणा सरकार भी पात्र परिवारों को अतिरिक्त अनुदान दे रही है। वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये तक वाले परिवारों को एक किलोवाट सोलर प्लांट पर 25 हजार रुपये तथा दो किलोवाट पर 50 हजार रुपये की अतिरिक्त सहायता मिल रही है। इस प्रकार दो किलोवाट क्षमता के सोलर प्लांट पर केंद्र और राज्य सरकार मिलकर एक लाख 10 हजार रुपये तक की सब्सिडी उपलब्ध करा रही हैं। उन्होंने बताया कि सौर ऊर्जा प्रोत्साहन योजना के तहत बिजली वितरण कंपनियां भी 5 किलोवाट तक के रूफटॉप सोलर प्लांट के लिए अधिकतम 97,500 रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध करा रही हैं। यह सुविधा उन उपभोक्ताओं को मिलेगी जिन पर बिजली बिल का कोई बकाया नहीं है।

शिक्षक समस्याओं के समाधान के लिए कॉमन एसओपी की मांग करेगा महासंघ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

- ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी को मिली राज्य मंत्रीमंडल की मंजूरी

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के दूरस्थ एवं सतत शिक्षा केंद्र में आयोजित अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, हरियाणा के दो दिवसीय अभ्यास वर्ग के दूसरे दिन शिक्षकों से जुड़े विभिन्न मुद्दों और कुटुंब शिक्षा में उनकी भूमिका पर मंथन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों की लंबित समस्याओं के समाधान के लिए एक समान मानक संचालन प्रक्रिया (कॉमन एसओपी) लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अखिल भारतीय मंत्री प्रो. गीता भट्ट ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने बताया कि महासंघ की ओर से राज्य सरकार को 21 सूत्रीय मांगपत्र सौंपा गया है, जिस पर सकारात्मक चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की लंबे समय से लंबित मॉडल ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी को हाल ही में राज्य मंत्रिमंडल की मंजूरी मिल चुकी है। इसके अलावा 8वें वेतन आयोग से संबंधित मांगों को लेकर भी महासंघ ने विस्तृत ज्ञापन सरकार को सौंपा है। प्रो. गीता भट्ट ने कहा कि पदोन्नति, प्रमोशन, गैर-शैक्षणिक कार्यों के बढ़ते बोझ व अनेक प्रशासनिक और व्यावसायिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इन समस्याओं के समाधान और प्रक्रियाओं में एकरूपता लाने के लिए महासंघ सरकार से कॉमन एसओपी लागू करने की मांग करेगा। विश्वविद्यालय शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रांत संयोजक प्रो. युद्धवीर सिंह ने कहा कि कुटुंब शिक्षा की अवधारणा शिक्षक के बिना अधूरी है।

रोहतक। कार्यक्रम को सम्बोधित करते अखिल भारतीय मंत्री प्रो. गीता भट्ट ।

पोर्टल के आवेदनों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखें : मेयर

15 हजार से घटकर 1400 पर पहुंचे लंबित आवेदन, निपटाने की तैयारी

समीक्षा बैठक में महापौर वाल्मिकी बोले- नागरिकों को अनावश्यक रूप से न काटने पड़ें कार्यालयों के चक्कर

रोहतक। पोर्टल पर कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ कार्यों की समीक्षा बैठक लेते नगर निगम महापौर रामअवतार वाल्मिकी व नगर निगम आयुक्त नरेंद्र कुमार। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

नगर निगम की संपत्तिकर शाखा में लंबे समय से लंबित पड़े एनडीसी (अदेय प्रमाण पत्र) आवेदनों के निस्तारण को लेकर अब अधिकारियों ने सख्त रुख अपना लिया है। कभी करीब 15 हजार लंबित आवेदनों का बोझ झेल रही व्यवस्था में लगातार निगरानी और समीक्षा के बाद अब यह संख्या घटकर लगभग 1400 रह गई है। निगम का लक्ष्य है कि इस सप्ताह में शेष आवेदनों का भी समाधान कर दिया जाए, ताकि नागरिकों को कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें।

नगर निगम महापौर रामअवतार वाल्मिकी ने मंगलवार को संपत्तिकर बकाया भुगतान एवं अदेय प्रमाण पत्र पोर्टल पर कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक कर कार्यों की समीक्षा की। बैठक के दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि आमजन द्वारा पोर्टल पर किए गए आवेदनों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए और बिना किसी ठोस कारण के किसी भी आवेदन को वापस या रिवर्ट न किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी कार्य निर्धारित नियमों और समयसीमा के अनुसार पूरे किए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन आवेदनों में दस्तावेजों की कमी है, उन आवेदकों से सीधे संपर्क कर आवश्यक दस्तावेज प्राप्त किए जाएं और उनके मामलों का नियमानुसार समाधान किया जाए। उन्होंने बताया कि पूर्व में लगभग 15 हजार आवेदन लंबित थे, लेकिन निरंतर समीक्षा के चलते अब केवल 1400 आवेदन शेष रह गए हैं। इनका भी जल्द से जल्द निपटारा करने के प्रयास जारी हैं।

100% ब्याज माफी की विशेष छूट 30 जून तक, फायदा उठाएं

बैठक में नगर निगम आयुक्त नरेंद्र कुमार ने कहा कि नगर निगम का मूल उद्देश्य नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। सभी मेकर और चेकर यह सुनिश्चित करें कि नागरिकों के कार्यों में अनावश्यक देरी न हो तथा शिकायतों और आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान किया जाए। निगम आयुक्त ने बताया कि हरियाणा सरकार ने संपत्तिकर बकाया पर 100 प्रतिशत ब्याज माफी की विशेष छूट प्रदान की है। यह छूट वर्ष 2010-11 से 2024-25 तक के लंबित संपत्तिकर मामलों पर लागू होगी और 30 जून 2026 तक प्रभावी रहेगी। इसका लाभ उन संपत्तिधारकों को मिलेगा जो एनडीसी पोर्टल पर अपनी संपत्ति की जानकारी स्वयं प्रमाणित कर वर्ष 2026-27 तक का बकाया कर जमा करेंगे।

वित्त वर्ष 2026-27 के संपत्तिकर पर भी छूट

सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के संपत्तिकर पर 31 जुलाई 2026 तक 10 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट भी घोषित की है। प्रशासन ने करदाताओं से अपील की है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार न करें और जल्द से जल्द अपना बकाया कर जमा कर इन विशेष रियायतों का लाभ उठाएं। समय पर कर भुगतान न केवल नागरिकों के लिए लाभकारी होगा, बल्कि शहर के विकास कार्यों को भी नई गति प्रदान करेगा।

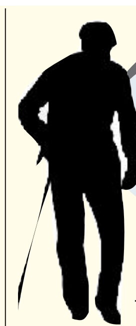

याद बहुत आते हैं वो दिन...

माता-पिता की सीख ने बदली जिंदगी, सफलता पर गर्व: राकेश

पढ़ाई से बचने की कोशिश पर पड़ती थी डांट

मेरे जीवन की सफलता के पीछे सबसे बड़ा योगदान मेरे माता-पिता का है। बचपन में हमारा परिवार खेती-किसानी से जुड़ा हुआ था और मैंने भी खेतों में काम किया है। उस समय जीवन काफी संघर्षपूर्ण था, लेकिन मेरे माता-पिता ने कभी मुझे मेहनत और शिक्षा का महत्व समझाने में कोई कमी नहीं छोड़ी। मुझे आज भी याद है कि मेरे पिता पढ़ाई को लेकर बेहद सख्त थे। वे चाहते थे कि मैं अच्छी शिक्षा प्राप्त करूं और जीवन में कुछ बड़ा करूं। कई बार जब मैं पढ़ाई से बचने की कोशिश करता था तो पिता मुझे डांटते थे और पढ़ाई के लिए प्रेरित करते थे। उनका सख्त स्वभाव उस समय भले ही मुझे अच्छा नहीं लगता था, लेकिन आज समझ आता है कि उनकी हर बात मेरे बेहतर भविष्य के लिए थी। वहीं मेरी मां का स्वभाव बिल्कुल अलग था। वह हमेशा मेरे खाने-पीने और स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखती थीं। पढ़ाई के दौरान मुझे किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए वह हर संभव प्रयास करती थीं।

राकेश शर्मा

माता पिता बनाना चाहते थे बिजनेसमैन

मां का स्नेह और पिता का अनुशासन मेरे जीवन की सबसे बड़ी पूंजी रहे हैं। मेरे माता-पिता की इच्छा थी कि मैं अच्छी शिक्षा प्राप्त कर एक सफल बिजनेसमैन बनूं। उन्होंने हमेशा मुझे बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए मेहनत करने की प्रेरणा दी। मैंने भी उनकी बातों को गंभीरता से लिया और पूरी लगन के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ता रहा। आज जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो महसूस होता है कि माता-पिता की सीख, संस्कार और त्याग ने ही मुझे इस मुकाम तक पहुंचाया है।

मां ने दी मदद करने की सीख सख्ती नहीं लगती थी अच्छी

मेरा नाम राममेहर है। आज जब मैं समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय हूं तो सबसे ज्यादा अपनी मां की याद आती है। बचपन में उनकी सख्ती कई बार मुझे अच्छी नहीं लगती थी, लेकिन आज समझ आता है कि उनकी हर डांट और हर सीख मेरे भविष्य को बेहतर बनाने के लिए थी। मेरी मां अनुशासन को बहुत महत्व देती थीं। वह हमेशा सच बोलने, मेहनत करने और दूसरों की मदद करने की सीख देती थीं। यदि मैं कोई गलती करता था तो वह तुरंत टोकती थीं और सही रास्ता दिखाती थीं। उस समय उनकी बातें कठोर लगती थीं, लेकिन उन्हीं संस्कारों ने मुझे जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। आज समाज के लोगों की सेवा करते समय मुझे अपनी मां की सीख याद आती है। उनका सख्त लेकिन स्नेह से भरा व्यवहार ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी है। मुझे गर्व है कि मैं उनकी दी हुई सीख और संस्कारों के रास्ते पर चल रहा हूं।

जवानों को वर्दी पहने देखा तो देश सेवा का जज्बा जागा व सेना में भर्ती हो गया

मेरा नाम राजपाल है। बचपन से ही मेरे माता-पिता का सपना था कि मैं फौज में भर्ती होकर देश की सेवा करूं। उन्होंने हमेशा मुझे अनुशासन, ईमानदारी और देशभक्ति की भावना के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उनकी बातों का मेरे जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ा। जब भी मैं सेना की वर्दी पहने जवानों को देखता था, मेरे मन में भी देश सेवा का जज्बा जाग उठता था। माता-पिता ने मेरे इस सपने को मजबूती दी और हर कदम पर मेरा हौसला बढ़ाया। उनकी मेहनत, त्याग और विश्वास के कारण ही मैं भारतीय सेना में भर्ती हो सका। फौज में नौकरी करते हुए मुझे देश की सेवा करने का अवसर मिला, जो मेरे जीवन का सबसे गर्व भरा पल है। आज यह संतोष है कि मैंने अपने माता-पिता का सपना पूरा किया। उनकी सीख और आशीर्वाद ही मेरी सबसे बड़ी ताकत हैं, जिनकी बदौलत मैं इस मुकाम तक पहुंच पाया। मेरे माता-पिता ने मुझे हमेशा अच्छी सीख दी। वे समय-समय पर मुझे प्रेरित भी करते रहते थे। मेरे माता पिता ने मुझे ईमानदारी का पाठ पढ़ाया। वे कहते थे कि हमें मुसीबत में किसी का सहारा बना चाहिए।

गांव शिमली में युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

नशीले पदार्थों का सेवन व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और समाज तीनों के लिए नुकसानदायक

पुलिस की नशा मुक्ति टीम ने गांव शिमली में जागरूकता अभियान चलाकर युवाओं और ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों तथा इससे बचाव के उपायों की जानकारी दी। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखकर उन्हें सकारात्मक दिशा की ओर प्रेरित करना था। उपनिरीक्षक अमर सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस अभियान के दौरान टीम ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि नशीली दवाओं और मादक पदार्थों का सेवन व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और समाज तीनों के लिए नुकसानदायक है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को नशे के जाल से बचाकर सही दिशा दिखाना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारियों में शामिल है और रोहतक पुलिस इस दिशा में लगातार प्रयास कर रही है। पुलिस टीम ने युवाओं से अपील की गई कि वे ड्रग्स, नशीली दवाओं, गांजा, हेरोइन, स्मैक, चरस तथा अन्य प्रकार के नशे से दूर रहकर अपनी पढ़ाई और करियर पर ध्यान केंद्रित करें। टीम ने ग्रामीणों से आह्वान किया कि यदि उनके आसपास कोई व्यक्ति नशा बेचता है या नशे से संबंधित गतिविधियों में शामिल है तो इसकी सूचना तुरंत डायल 112 पर दें।

सरकारी स्कूल से चोरी की वारदात का खुलासा, दो आरोपी किए गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस ने पुरानी सब्जी मंडी क्षेत्र स्थित एक सरकारी स्कूल में हुई चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया पानी की मोटर और गैस सिलेंडर भी बरामद कर लिया है। पुलिस प्रवक्ता मनीष ने बताया कि कायस्थान मोहल्ला निवासी अनिल की शिकायत पर पुरानी सब्जी मंडी थाना में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। शिकायत में बताया गया कि 17 जून को राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक पाठशाला, कायस्थान की रसोई का ताला टूटा हुआ मिला। जांच करने पर रसोई से पानी की मोटर और गैस सिलेंडर चोरी पाए गए। मामले की जांच मुख्य सिपाही पवन द्वारा की गई। जांच के दौरान पुलिस ने 22 जून को वारदात में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान विकास पुत्र राजेश तथा पिंकू पुत्र भान सिंह, दोनों निवासी पाड़ा मोहल्ला, रोहतक के रूप में हुई है। पुलिस ने पूछताछ के बाद आरोपियों की निशानदेही पर चोरीशुदा पानी की मोटर और गैस सिलेंडर बरामद कर लिया। दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपियों का अन्य चोरी की घटनाओं से भी कोई संबंध है या नहीं। पुलिस ने इस संबंध में थाना पुरानी सब्जी मंडी में मामला दर्ज किया हुआ है।

सोलन में 19 से 21 जून तक हुई थी प्रतियोगिता

राजकुमार शर्मा ने टेबल टेनिस चैंपियनशिप में जीता रजत पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक के टेबल टेनिस खिलाड़ी राजकुमार शर्मा ने हिमाचल प्रदेश के सोलन में आयोजित द्वितीय मां शूलिनी ऑल इंडिया ओपन टेबल टेनिस चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक (सिल्वर मेडल) हासिल किया है। उनकी इस उपलब्धि से खेल प्रेमियों और जिले में खुशी का माहौल है। यह प्रतियोगिता 19 से 21 जून 2026 तक दुर्गा पब्लिक स्कूल, सोलन मेंआयोजित की गई। टूर्नामेंट का आयोजन सोलन जिला टेबल टेनिस एसोसिएशन और मांशूलिनी स्पोर्ट्स कमेटी द्वारा हिमाचल प्रदेश टेबल टेनिस एसोसिएशन केतत्वावधान में किया गया। प्रतियोगिता में हिमाचल प्रदेश, पंजाब, दिल्ली, उत्तराखंड और हरियाणासहित विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। टूर्नामेंट में पुरुष और महिला वर्ग की 39+, 49+, 59+ और 65+ आयु वर्ग की व्यक्तिगत स्पर्धाओं के अलावा टीम प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। कड़े मुकाबलों के बीच राजकुमार शर्मा ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक का सफर तयकिया और रजत पदक अपने नाम किया। राजकुमार शर्मा की इस सफलता पर खेल जगत से जुड़े लोगों, साथी खिलाड़ियों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दी हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि वह आने वाले समय में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ाते रहेंगे।

कृषि मंत्री बोले-अलनीनो प्रभावित क्षेत्रों के अधिकारी योजनाएं तैयार करें, फसल उत्पादन प्रभावित न हो

मंत्री ने धान की सीधी बुआई (डीएसआर) पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ▶ रोहतक

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खरीफ फसलों की बुआई की प्रगति की समीक्षा करते हुए राज्यों को अलनीनो के संभावित प्रभाव से निपटने के लिए आकस्मिक योजनाएं तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में कम वर्षा की आशंका है, वहां फसल उत्पादन प्रभावित न हो, इसके लिए समय रहते वैकल्पिक रणनीति बनाई जानी चाहिए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक में केंद्रीय मंत्री ने धान की सीधी बुआई (डीएसआर), फसल विविधीकरण और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से अधिक से अधिक किसानों को फसल बीमा योजना से जोड़ने का आह्वान किया ताकि प्राकृतिक जोखिमों से किसानों को सुरक्षा मिल सके। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार किसानों की आय बढ़ाने और खेती को लाभकारी बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत पात्र किसानों को प्रतिवर्ष 6,000 रुपये की सहायता राशि प्रदान की जा रही है।

केंद्र सरकार से दो घंटे अतिरिक्त बिजली उपलब्ध कराने की मांग

बैठक में हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि प्रदेश में लगभग 65 प्रतिशत खरीफ फसलों की सिंचाई ट्यूबवेल आधारित है और वर्तमान में कृषि क्षेत्र को प्रतिदिन आठ घंटे बिजली आपूर्ति दी जा रही है। उन्होंने केंद्र सरकार से किसानों के हित में दो घंटे अतिरिक्त बिजली उपलब्ध कराने की मांग की। राज्य सरकार धान की सीधी बुआई अपनाने वाले किसानों को 4,500 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि दे रही है। बैठक में शामिल उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कृषि विभाग के अधिकारियों को खरीफ सीजन की तैयारियों को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने जडीएपी और यूरिया की उपलब्धता की समीक्षा की।

420 ग्राम अफीम सहित आरोपी गिरफ्तार, अदालत ने जेल भेजा

रोहतक। शहर थाना पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को अफीम सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 420 ग्राम अफीम बरामद की है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान शाहजहांपुर निवासी रजनीश पुत्र तेजराम के रूप में हुई है। जांच के दौरान आरोपी के कब्जे से 420 ग्राम अफीम बरामद होने पर उसके खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस एक्ट) के तहत मामला दर्ज किया गया।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेजने के आदेश दिए गए। मामले की जांच जारी है और पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बरामद अफीम कहां से लाई गई थी और इसे कहां सप्लाई किया जाना था।

सुपवा के विद्यार्थियों के थिसिस प्रोजेक्ट्स को मिली सराहना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

- बैचलर इन आर्किटेक्चर के फाइनल ईयर छात्र नवनीत व शिवम ने यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व किया

दादा लख्मी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) के छात्रों द्वारा 'प्रकृति 2026' में शोकेस किए थिसिस प्रोजेक्ट्स की एक्सपर्ट्स ने तारीफ की। 'प्रकृति' 2026 का आयोजन इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स, फरीदाबाद सेंटर की ओर से किया गया था, जिसमें आर्किटेक्चरल थिसिस प्रदर्शनी लगाई गई। डीएलसीसुपवा की तरफ से फैकेल्टी ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर से बैचलर इन आर्किटेक्चर के फाइनल ईयर छात्र नवनीत व शिवम ने यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व किया।

दसवें सेमेस्टर में पढ़ रहे इन छात्रों ने 'प्रकृति 2026' में अपने थिसिस प्रोजेक्ट्स को शोकेस किया। इनके साथ फैकेल्टी मेंबर्स आर्किटेक्ट हिमांशु व आर्किटेक्ट विजय प्रकाश भी मौजूद रहे। छात्र नवनीत व शिवम ने इस आयोजन में शिरकत करने के लिए कुलगुरु डॉ अमित आर्य व रजिस्ट्रार डॉ गुंजन मलिक मनोचा का आभार जताते हुए कहा कि 'प्रकृति 2026' में जाकर उन्हें सीखने, नेटवर्क बनाने व आर्किटेक्चरल समुदाय में अपनी यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला।

350 आर्किटेक्ट्स और प्रोफेशनल्स से मिलने का अवसर मिला

इस आयोजन में देश के करीब 350 प्रसिद्ध आर्किटेक्ट्स और प्रोफेशनल्स से मिलने का अवसर मिला। उन्होंने डीएलसीसुपवा के छात्रों के थिसिस प्रोजेक्ट्स के बारे में करीब से जाना और इनकी सराहना की।एफसी अजयबाहु जोशी ने बताया कि फरीदाबाद के सेक्टर-21सी स्थित जिमखाना क्लब में आयोजित 'प्रकृति-2026' में ग्रीन बिल्डिंग, पर्यावरण संरक्षण व आधुनिक वास्तुकला की चुनौतियों पर चर्चा की गई। इस दौरान ऊर्जा बचत, जल संरक्षण और हरित निर्माण तकनीकों को बढ़ावा देने की जरूरत पर जोर दिया।

---

15 दिन बाद बाल भवन में लगी रेहड़ियां, आजीविका के साथ उपभोक्ताओं को भी मिली राहत

रेहड़ी बाजार से फलों और सब्जियों के दामों में आई नरमी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सांपला

मुख्य बाजार क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान हटाए गए रेहड़ी संचालकों को करीब 15 दिन बाद राहत मिली है। सांपला नगरपालिका ने उनकी आजीविका को ध्यान में रखते हुए बाल भवन परिसर में रेहड़ी लगाने की अनुमति दी है। मंगलवार को यहां फल, सब्जी, चाट, फास्ट फूड और अन्य सामान बेचने वाले रेहड़ी संचालकों ने अपना कारोबार शुरू किया। लंबे समय बाद रोजगार शुरू होने से रेहड़ी संचालकों के चेहरों पर संतोष नजर आया। पिछले 15 दिनों से रेहड़ियां नहीं लगने के कारण सैकड़ों परिवारों की आय प्रभावित हुई थी। कई रेहड़ी संचालकों ने बताया कि उनके सामने रोजमर्रा के खर्च पूरे करने की समस्या खड़ी हो गई थी। दूसरी ओर, बाजार में प्रतिस्पर्धा कम होने का असर सीधे उपभोक्ताओं पर पड़ा। स्थानीय लोगों के अनुसार इस दौरान फल और सब्जियों के दाम मंडी की तुलना में 30 से 40 प्रतिशत तक अधिक हो गए थे। अधिकांश लोग मंडी तक नहीं जा पाते थे और मजबूरी में बाजार से महंगे दामों पर सामान खरीद रहे थे। मंगलवार को बाल भवन में रेहड़ी बाजार शुरू होते ही इसका असर कीमतों पर भी दिखाई दिया। कई दुकानदारों ने फल और सब्जियों के दाम कम कर दिए। उपभोक्ताओं का कहना है कि रेहड़ियों के वापस आने से उन्हें एक बार फिर उचित दरों पर सामान मिलने लगा है। इससे बाजार में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का माहौल बना है।हालांकि पहले दिन ग्राहकों की संख्या अपेक्षाकृत कम रही, लेकिन रेहड़ी संचालकों को उम्मीद है कि जल्द ही लोगों को नए स्थान की जानकारी हो जाएगी और यहां ग्राहकों की आवाजाही बढ़ेगी। उन्होंने नगरपालिका के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि इससे उनकी आजीविका फिर से पटरी पर लौट सकेगी और आम लोगों को भी राहत मिलेगी।

महम में शाहजहां की बावड़ी के टैंक की सफाई करते समय मिले अवैध हथियार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

महम की शाहजहां बावड़ी में टैंक की सफाई करते समय तीन हथियार मिले हैं। जिनमें एक देसी कट्टा, एक पिस्तौल और दो नाली बंदूक की नाल शामिल हैं। लोगों को यहां पर और भी हथियार मिलने का अंदेशा है। जब बावड़ी के टैंक का पानी पूरी तरह साफ कर दिया जाएगा तो यहां पर बड़ी संख्या में हथियार मिल सकते हैं। दरअसल महम में पिछले करीब तीन महीने पहले पुरातत्व विभाग द्वारा बावड़ी के जीर्णोद्धार का कार्य शुरू किया गया था। लखोरी ईंटों और चूने द्वारा यहां पर रिपेयरिंग की जा रही है। जर्जर दीवारों और फर्श आदि की मरम्मत की जानी है। बावड़ी के मुख्य कुंए के साथ एक वाटर टैंक बना हुआ है। इस वाटर टैंक में पानी भरा हुआ था। टैंक की मरम्मत के लिए मोटर लगाकर पानी निकाला जा रहा है। पानी का स्तर थोड़ा कम हुआ तो वाटर टैंक की दीवार पर गारा में तीन हथियार पड़े मिले हैं। एडवोकेट राजपाल अहलावत ने बताया कि बावड़ी के सामने वार्ड 5 में उसका मकान है। मंगलवार को सुबह 8 बजे वे बावड़ी में सैर कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने वाटर टैंक में झांककर देखा तो वहां पर एक पिस्तोल पड़ा हुआ मिला। पास जाकर देखा तो वहां पर एक देसी कट्टा और दो नाली बंदूक की नाल पड़ी मिली। तीनों हथियार पानी में जर्जर हो चुके हैं। राजपाल अहलावत ने इसकी सूचना महम पुलिस को दी। मौके पर एएसआई नरेश कुमार और हवलदार अनिल पहुंचे। एडवोकेट राजपाल अहलावत ने तीनों हथियार पुलिस अधिकारियों को सौंपे और उन्होंने पुलिस को एक लिखित शिकायत भी दी है। आशंका जताई है कि किसी बड़ी वारदात को अंजाम देकर अपराधियों ने सबूत मिटाने के इरादे से इन हथियारों को बावड़ी में फेंक दिया।

◆ आशंका जताई जा रही है कि किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने सबूत मिटाने के उद्देश्य से इन हथियारों को बावड़ी के पानी में फेंक दिया होगा

◆ टैंक का पूरा पानी निकलने पर तलहटी में और भी हथियार मिलने का अंदेशा

महम। शाहजहां की बावड़ी में मिले हथियारों को दिखाते एडवोकेट राजपाल अहलावत और मौके पर मौजूद पुलिस।

पुलिस ने हथियारों को कब्जे में लिया

ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें अंदेशा है कि यहां पर हथियारों का जखीरा मिल सकता है। क्योंकि ये हथियार तो टैंक की ऊपरी दीवार पर मिले हैं। जब हथियार फेंके गए हैं तो कुछ हथियार पानी के टैंक के बीच में भी गिरे होंगे। जो कि टैंक का पूरा पानी निकलने पर टैंक की तलहटी में मिल सकते हैं। पुलिस ने हथियारों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मामले की जांच शुरू

बावड़ी में हथियार बरामद करने वाले अधिकारियों ने इसकी सूचना महम के कार्यकारी थाना प्रभारी रामपाल और महम शहर पुलिस चौकी इंचार्ज रमेश कुमार को इसकी सूचना दी। दोनों पुलिस अधिकारियों ने मामले में तत्परता दिखाई है और इसके लिए टीमें गठित कर दी गई हैं और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। आशंका है कि किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने सबूत मिटाने के उद्देश्य से इन हथियारों को बावड़ी के पानी में फेंक दिया होगा।

सीसीटीवी व आपराधिक घटनाओं के रिकॉर्ड को खंगालने की तैयारी

एडवोकेट राजपाल अहलावत ने प्रशासन से मामले की गंभीरता को देखते हुए निष्पक्ष और गहन जांच की मांग की है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि हथियार किसके हैं, इन्हें कब और किन परिस्थितियों में बावड़ी में फेंका गया तथा कहीं इनका इस्तेमाल किसी आपराधिक घटना में तो नहीं हुआ। सूचना मिलते ही महम पुलिस ने हथियारों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस हथियारों की तकनीकी जांच, फॉरेंसिक परीक्षण और उनके स्रोत का पता लगाने की दिशा में कार्रवाई कर सकती है। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और हालिया आपराधिक घटनाओं के रिकॉर्ड को भी खंगाला जा सकता है।

महम। बावड़ी के इस वाटर टैंक को किया जा रहा है खाली, इस टैंक की तलहटी में भी मिल सकते हैं हथियार। फोटो : हरिभूमि

सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

यह घटना इसलिए भी चिंता का विषय है क्योंकि शाहजहां की बावड़ी एक ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व का स्थल है, जहां लोगों का नियमित आना-जाना रहता है। ऐसे में सार्वजनिक स्थान पर अवैध हथियारों का मिलना सुरक्षा व्यवस्था पर भी कई सवाल खड़े करता है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शिकायत के आधार पर सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जाएगी और यदि किसी आपराधिक गतिविधि से संबंध सामने आता है तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जब तक पुलिस जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक यह कहना उचित नहीं होगा कि हथियार किसी विशेष वारदात में इस्तेमाल हुए थे। इसे केवल आशंका और जांच के दायरे में माना जाना चाहिए।

बावड़ी की पहचान जानी चोर की गुफा के नाम से

महम में शाहजहां की बावड़ी है। इस बावड़ी का निर्माण शाहजहां के चौबदार सैदू कलाल ने सन 1658-59 में करवाया था। इसका निर्माण राहगीरों के विश्राम और पेयजल के स्रोत के रूम में किया गया था। इस बावड़ी को जानी चोर की गुफा के नाम से भी जाना जाता है। चोर गढ़ी गांव का जानी नाम का एक चोर था। वह मेव जाति से संबंध रखता था। उसके पिता का नाम भूरेमेव था। वह चोरी की वारदात को अंजाम देकर यहां पर छिप जाता था। इस बावड़ी में कई भूमिगत कमरे होते थे। पुलिस जब उसको पकड़ने के लिए उसके पीछे भागती थी, तब वह इन भूमिगत कमरों में छिप जाता था। भूल भुलैया जैसी इमारत के अंदर जाने के बाद पुलिस उसे पकड़ नहीं पाती थी। यह बावड़ी हरियाणा में सबसे बढ़िया एवं अच्छी स्थिति की बावड़ी है।

पिछले साल पानी में डूबा रहा था शहर, इस बार प्रशासन की पूरी तैयारी

दावा : 108 ड्रेन और 456 पंपसेट करेंगे पानी निकासी

मानसून 27 जून से 1 जुलाई के बीच दस्तक दे सकता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

मानसून के आगमन के साथ रोहतक में पिछले वर्ष के जलभराव की यादें एक बार फिर ताजा हो गई हैं। गत मानसून सीजन में शहर के कई इलाके कई दिनों तक बरसाती पानी में डूबे रहे थे। हालात ऐसे बन गए थे कि शहर के पॉश माने जाने वाले सेक्टर क्षेत्रों में भी सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया था। कई कॉलोनियों में लोगों के घरों तक पानी पहुंच गया था और यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई थी। अब जबकि नया मानसून सीजन शुरू होने वाला है, जिला प्रशासन ने दावा किया है कि इस बार संभावित बाढ़ और जलभराव से निपटने के लिए व्यापक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अनुसार रोहतक सर्कल के अंतर्गत कुल 108 मुख्य एवं लिंक ड्रेन संचालित हैं। इनमें 92 ड्रेन रोहतक डिवीजन तथा 16 ड्रेन सांपला डिवीजन के अधीन आती हैं। प्रमुख ड्रेनों में ड्रेन नंबर-8 (रोहतक लिंक ड्रेन), हुमायूंपुर ड्रेन, लाखन माजरा लिंक ड्रेन, पाक्समा ड्रेन, गांधरा ड्रेन, मकड़ोली लिंक ड्रेन, समर गोपालपुर लिंक ड्रेन, आसन लिंक ड्रेन और जसिया ड्रेन शामिल हैं। विभाग का कहना है कि इन सभी ड्रेनों की सफाई और मरम्मत कार्य की लगातार समीक्षा की जा रही है ताकि बारिश के दौरान पानी की निकासी बाधित न हो।

ड्रेनेज नेटवर्क को और सुदृढ़ बनाने के लिए 11,300 एचडीपीई पाइप उपलब्ध हैं। इनकी लंबाई 67,800 मीटर है। 3,000 अतिरिक्त पाइपों को स्वीकृति मिल चुकी है। बाढ़ जोखिम वाले क्षेत्रों में तैयारी पूरी है।

कागजों पर दिख रही व्यवस्था जमीन पर कितनी कारगर साबित होगी

ड्रेनेज नेटवर्क को और सुदृढ़ बनाने के लिए जिले में 11,300 एचडीपीई पाइप उपलब्ध हैं, जिनकी कुल लंबाई 67,800 मीटर है। इसके अलावा 3,000 अतिरिक्त पाइपों को भी स्वीकृति मिल चुकी है। बाढ़ जोखिम वाले क्षेत्रों में जल निकासी सुधारने और नुकसान कम करने के उद्देश्य से 20 बाढ़ शमन योजनाएं भी मंजूर की गई हैं। हालांकि प्रशासन की तैयारियों के बावजूद शहरवासियों के मन में पिछले साल के हालात को लेकर आशंकाएं बनी हुई हैं। पिछले मानसून में कई क्षेत्रों में पानी निकासी व्यवस्था फेल होती नजर आई थी और सेक्टरों सहित अनेक कॉलोनियों में लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी थी। ऐसे में इस बार प्रशासन के दावों की वास्तविक परीक्षा तब होगी, जब मानसून की पहली भारी बारिश होगी। यदि ड्रेनों की सफाई, पंपिंग व्यवस्था और आपात संसाधन प्रभावी साबित होते हैं तो शहर को जलभराव की समस्या से राहत मिल सकती है। फिलहाल प्रशासन तैयारियों को पर्याप्त बता रहा है, जबकि नागरिक यह देखने का इंतजार कर रहे हैं कि कागजों पर दिख रही व्यवस्था जमीन पर कितनी कारगर साबित होती है।

प्रशासन ने आपात स्थिति से निपटने के लिए मशीनरी की भी पर्याप्त व्यवस्था करने का दावा किया है। इसके तहत चार चेन-टाइप पोकलेन मशीनें गहरी सफाई और अवरोध हटाने के लिए उपलब्ध रहेंगी। इसके अलावा तीन जेसीबी मशीनें, 11 ट्रैक्टर तथा दो पिकअप वाहन भी तैयार रखे गए हैं।

बारिश और आंधी-तूफान की गतिविधियां जारी रहेंगी

आईएमडी के मुताबिक हरियाणा में दक्षिण-पश्चिम मानसून के जून के अंतिम सप्ताह में पहुंचने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार इस वर्ष मानसून की प्रगति बीच में धीमी पड़ गई थी, लेकिन अब इसमें फिर तेजी आई है। वर्तमान अनुमान के मुताबिक मानसून 27 जून से 1 जुलाई के बीच हरियाणा में प्रवेश कर सकता है। हालांकि प्री-मानसून बारिश और आंधी-तूफान की गतिविधियां पहले से जारी रहेंगी।

जिले में 49 स्थायी पंप हाउस और 165 स्थायी पंप संचालित

इन संसाधनों को विभिन्न जोनों में आवश्यकता के अनुसार तैनात किया जाएगा तथा संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारियां भी तय कर दी गई हैं। जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए जिले में 49 स्थायी पंप हाउस और 165 स्थायी पंप संचालित हैं। इनकी कुल निकासी क्षमता 1670 क्यूसेक बताई गई है। इसके अतिरिक्त आपातकालीन परिस्थितियों के लिए 203 चलित विद्युत पंप सेट उपलब्ध हैं, जिनकी कुल क्षमता 670 क्यूसेक है। वहीं 89 चलित डीजल पंप सेट भी तैयार रखे गए हैं, जिनकी क्षमता 178 क्यूसेक है। आवश्यकता पड़ने पर इन पंपों को जलभराव वाले क्षेत्रों में तुरंत भेजा जा सकेगा।

तीन मृतकों के परिजनों को दस-दस लाख रुपये मिले

डी पार्क अग्निकांड पीड़ितों के खाते में सीएम की सहायता राशि पहुंची

■ एक दिन पहले राज्यपाल ने तीन मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये भेजे

रोहतक। डी पार्क अग्निकांड के दो सप्ताह बाद प्रभावित परिवारों और दुकानदारों को बड़ी राहत मिली है। मुख्यमंत्री राहत कोष से स्वीकृत सहायता राशि मंगलवार को पीड़ितों के बैंक खातों में पहुंच गई। तीनों मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है, जबकि आग में दुकानें खोने वाले आठ दुकानदारों को पांच-पांच लाख रुपये की राहत राशि जारी की गई है। इसके अलावा दो जूस कॉर्नर संचालकों को दो-दो लाख रुपये तथा तीन रेहड़ी संचालकों को 50-50 हजार रुपये की सहायता दी गई है। प्रशासन का कहना है कि दुकानों और अन्य संपत्तियों को हुए वास्तविक नुकसान का आकलन अभी जारी है और रिपोर्ट पूरी होने के बाद अतिरिक्त मुआवजा भी दिया जाएगा। नौ जून को डी पार्क मार्केट में लगी भीषण आग ने कुछ ही घंटों में 12 दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया था। हादसे में तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी, जबकि कई परिवारों की वर्षों की मेहनत और कारोबार राख में बदल गया था। घटना के बाद व्यापारियों और पीड़ित परिवारों ने सरकार से आर्थिक सहायता और नुकसान की भरपाई की मांग उठाई थी। प्रशासन की तरफ से मुआवजा दिलवाने के लिए बनाई गई कमेटी में पालिका बाजार के प्रधान गुलशन निंझावन और हैप्पी अनेजा को भी शामिल किया गया था। कमेटी के प्रयासों से मुख्यमंत्री द्वारा घोषित राहत राशि अब पात्र लाभार्थियों के खातों में भेज दी गई है। इससे प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत मिलेगी। एक दिन पहले हरियाणा के राज्यपाल द्वारा भी मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। इस प्रकार प्रत्येक मृतक के परिवार को अब तक कुल 12 लाख रुपये की राहत राशि प्राप्त हो चुकी है।

उधर, जिला प्रशासन द्वारा गठित जांच समिति अग्निकांड के कारणों और परिस्थितियों की पड़ताल कर रही है। मजिस्ट्रेट स्तर पर चल रही जांच में आग लगने के कारण, सुरक्षा इंतजामों की स्थिति तथा संभावित लापरवाही जैसे पहलुओं को शामिल किया गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

रेहड़ी वालों को 50-50 हजार की राशि मिली

पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष ग्रोवर के अथक प्रयासों से सीएम की तरफ से सहायता राशि जारी की गई है। मृतकों के परिजनों को दस-दस लाख की राशि मिली है। आठ पीड़ित दुकानदारों को पांच पांच लाख और दो जूस कार्नर को दो-दो लाख की सहायता राशि मिल गई है। इसके अलावा रेहड़ी वालों को 50-50 हजार की राशि मिली है।
-गुलशन निंझावन, पालिका बाजार प्रधान

रजिस्ट्री के साथ अपने-आप ही होगा इंतकाल

रोहतक। प्रदेश में राजस्व प्रशासन को अधिक पारदर्शी, सरल और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को पेपरलेस रजिस्ट्री प्रणाली के दूसरे चरण और ऑटो इंतकाल प्रणाली का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के उपायुक्त और राजस्व अधिकारी जुड़े। रोहतक में उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा कि नई व्यवस्था से किसानों, भूस्वामियों और आम नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी तथा राजस्व सेवाएं अधिक सुगम और पारदर्शी बनेंगी। सचिन गुप्ता ने बताया कि ऑटो इंतकाल प्रणाली लागू होने के बाद अब रजिस्ट्री और इंतकाल की प्रक्रियाएं एक-दूसरे से जुड़ जाएंगी। नागरिकों को अलग से इंतकाल के लिए आवेदन नहीं करना पड़ेगा। जिन मामलों में खेवट विभाजन की आवश्यकता नहीं होगी, उनमें 24 घंटे के भीतर इंतकाल स्वीकृत हो जाएगा, जबकि अन्य मामलों का निस्तारण अधिकतम 10 दिनों में किया जाएगा।

गुमशुदा 8 वर्षीय बच्चे को परिजनों से मिलाया

रोहतक। पुलिस की कलानौर थाना टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लापता हुए 8 वर्षीय बच्चे को सकुशल बरामद कर उसके परिजनों के हवाले कर दिया। पुलिस की इस कार्रवाई से परिवार ने राहत की सांस ली और पुलिस टीम का आभार जताया। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार गांव बेरला निवासी राजेश ने अपने 8 वर्षीय बेटे के घर से लापता होने की सूचना पुलिस को दी थी। सूचना मिलते ही 22 जून को पुलिस चौकी कलानौर के प्रभारी उपनिरीक्षक अनिल के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत बच्चे की तलाश शुरू की।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

जन स्वास्थ्य विभाग ने शुरू की तैयारियां, कई मोहल्लों को मिलेगा लाभ

अब नहरबंदी के दौरान भी नहीं होगी पेयजल किल्लत, शहर में लगेंगे 18 नए ट्यूबवेल

विभाग ने लिए सर्वेक्षण और तकनीकी प्रक्रिया शुरू कर दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गर्मी के मौसम में नहरबंदी के दौरान शहरवासियों को पेयजल संकट का सामना न करना पड़े, इसके लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने बड़ी तैयारी शुरू कर दी है। विभाग द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 18 नए ट्यूबवेल कनेक्शन लगाए जाएंगे। इस परियोजना पर लाखों रुपये खर्च किए जाएंगे, जिससे नहरों में पानी की आपूर्ति बंद रहने की स्थिति में भी लोगों को नियमित रूप से पेयजल उपलब्ध कराया जा सकेगा।

शहर में हर वर्ष गर्मी के दिनों में नहरबंदी होने पर जलापूर्ति प्रभावित हो जाती है। कई इलाकों में पानी का दबाव कम हो जाता है, जबकि कुछ क्षेत्रों में लोगों को पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिल पाता। इस समस्या के समाधान के लिए विभाग ने वैकल्पिक जल स्त्रोतों को मजबूत करने की योजना तैयार की है। योजना के तहत वार्ड नंबर 6, वार्ड नंबर 7, किला मोहल्ला, पाड़ा मोहल्ला, सालारा मोहल्ला सहित शहर के अन्य जरूरतमंद क्षेत्रों में नए ट्यूबवेल कनेक्शन लगाए जाएंगे। इन ट्यूबवेलों को जल वितरण प्रणाली से जोड़ा जाएगा, जिससे नहरबंदी के दौरान भी जलापूर्ति सुचारू बनी रहेगी। विभाग ने इसके लिए सर्वेक्षण और तकनीकी प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिन क्षेत्रों में पानी की मांग अधिक है और जहां पहले जलापूर्ति संबंधी शिकायतें सामने आती रही हैं, उन्हें प्राथमिकता दी जा रही है। नए ट्यूबवेल शुरू होने से पानी का दबाव बढ़ेगा और दूरस्थ मोहल्लों तक भी पर्याप्त मात्रा में पेयजल पहुंच सकेगा। इससे टैंकरों पर निर्भरता कम होगी और लोगों को राहत मिलेगी।

विभाग जल्द कनेक्शन लगवाए तो होगा फायदा

स्थानीय लोगों ने विभाग की इस पहल का स्वागत किया है। उनका कहना है कि गर्मियों में पानी की समस्या सबसे बड़ी परेशानी बन जाती है। यदि नहरबंदी के दौरान भी नियमित जलापूर्ति जारी रहती है तो हजारों परिवारों को राहत मिलेगी।

शहर में पेयजल व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी

जन स्वास्थ्य विभाग का लक्ष्य है कि नहरबंदी शुरू होने से पहले सभी प्रस्तावित ट्यूबवेल कनेक्शनों का कार्य पूरा कर लिया जाए। इसके लिए आवश्यक बजट, तकनीकी स्वीकृतियां और अन्य प्रक्रियाएं तेजी से पूरी की जा रही हैं। इस योजना के लागू होने के बाद शहर में पेयजल व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी तथा लोगों को पानी की कमी से जूझना नहीं पड़ेगा।
-संदीप कुमार, कार्यकारी अभियंता, जन स्वास्थ्य व अभियांत्रिकी विभाग

चार अलग-अलग थानों में गुमशुदगी के मामले दर्ज

पुलिस लोगों की तलाश में जुटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

लापता लोगों की तलाश के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही

जिले में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चार लोगों के लापता होने के मामले सामने आए हैं। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुराना सब्जी मंडी थाना पुलिस ने फतेहपुरी कॉलोनी निवासी सूरज की शिकायत पर उसकी 18 वर्षीय बेटी रेखा के लापता होने का मामला दर्ज किया है। रेखा 20 जून को बिना बताए घर से चली गई थी। वहीं, शिवाजी कॉलोनी थाना पुलिस ने टिटौली निवासी विजय की शिकायत पर उसकी 23 वर्षीय पत्नी विजेता की गुमशुदगी का मामला दर्ज किया है। विजय ने बताया कि उसकी पत्नी 20 जून को दोपहर करीब 2 बजे घर से बिना बताए चली गई। उनका विवाह पांच वर्ष पहले हुआ था और उनका तीन वर्षीय बेटा भी है। सिविल लाइन थाना पुलिस ने कमल कॉलोनी निवासी काजल की शिकायत पर उसके ससुर जयप्रकाश के लापता होने का मामला दर्ज किया है। जयप्रकाश 19 जून को घर से निकले थे और तब से वापस नहीं लौटे। उनका मोबाइल फोन भी बंद आ रहा है। इसके अलावा, पीजीआई थाना पुलिस ने भिवानी निवासी शिवा की शिकायत पर उसकी सात वर्षीय भतीजी नेहा की गुमशुदगी का मामला दर्ज किया है। नेहा 21 जून को दिल्ली बाईपास क्षेत्र में गुब्बारे बेचने गई थी, लेकिन उसके साथ गई अन्य महिलाएं घर लौट आईं, जबकि नेहा वापस नहीं आई। पुलिस का कहना है कि सभी मामलों में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और लापता लोगों की तलाश के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।